निम्न विषयों में शोध पत्र आमंत्रित हैं–

1. उच्च शिक्षा एवं रोजगार
2. उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में बदलाव की आवश्यकता
3. उच्च शिक्षा का व्यवसायीकरण और उससे उत्पन्न समस्याएँ
4. उच्च शिक्षा और बदलते सामाजिक मूल्य
5. उच्च शिक्षा में प्रशिक्षण की आवश्यकता
6. उच्च शिक्षा के वैश्विक मापदण्ड और भारत की स्थिति
7. उच्च तकनीकी शिक्षा और गुणवत्ता
8. उच्च शिक्षा एवं निजी महाविद्यालय

प्रतिभागियों से उनके शोध पत्रों की संक्षेपिका अधिकतम 500 शब्दों में 20 जून 2018 तक आमंत्रित की जाती है। संक्षेपिका का प्रकाशन सेमीनार के दौरान किया जायेगा।

पंजीयन शुल्क –

विश्वविद्यालयीन/महाविद्यालयीन शिक्षकों के लिए पंजीयन शुल्क रुपये 1000/– एवं शोध छात्रों के लिए रुपये 500/– कुलसचिव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के नाम से ड्राफ्ट द्वारा देय होगा।

सम्पर्क

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

प्रो.विजय कुमार अग्रवाल – 9425194556
प्रो.सुनील कुमार तिवारी – 8989470791
प्रो.आर.एन.सिंह, संगठन सचिव – 945847077

स्वर्ण जयन्ती वर्ष 2017-18

# अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)

## उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ एवं वैश्विक परिदृश्य

29 एवं 30 जून 2018

**राष्ट्रीय सेमीनार**

Papers can be emailed to : apsvka57@gmail.com

## विश्वविद्यालय

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना 20 जुलाई, 1968 को हुई थी। इस विश्वविद्यालय का नामकरण तत्कालीन विन्ध्य प्रदेश के प्रधानमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह के नाम पर किया गया। शहर से पांच किलोमीटर की दूरी पर रीवा–सिरमौर मार्ग पर लगभग 250 एकड़ के क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिलों में विस्तृत है। इन सात जिलों के लगभग 214 महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में 14 नियमित और लगभग 54 स्ववित्तीय पाठ्यक्रम संचालित है। इन विभागों में एम.ए./एम. एस–सी/एम.फिल./पी–एच.डी./डी. लिट्/डी.एस–सी. आदि के अध्ययन/अध्यापन तथा शोध की सुविधायें उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में प्रशासकीय भवन के अलावा पर्यावरण जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन, गणितीय विज्ञान विभागों के भवन, मानविकी भवन, संग्रहालय, कम्प्यूटर विज्ञान भवन, मानविकी भवन का विस्तार खण्ड, कम्प्यूटर केन्द्र, एम.बी.ए. भवन, ग्रंथालय, दूरवर्ती शिक्षा केन्द्र भवन, लॉ इंस्टिट्यूट भवन, बायोटेक्नोलॉजी भवन, कम्प्यूटर विज्ञान भवन, छात्र संघ भवन, यूसिक, अतिथि भवन, बैंक, पोस्ट ऑफिस, छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक्–पृथक् छात्रावास, सभागार, अम्बेडकर भवन, स्टेडियम, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों का आवासीय परिसर, जिम्नेजियम हाल, योग हाल एवं फैकल्टी हॉस्टल आदि निर्मित है।

रीवा रेल के द्वारा दिल्ली, जबलपुर, भोपाल, बिलासपुर, इलाहाबाद, इन्दौर एवं नागपुर से सीधा जुड़ा हुआ है। मध्य रेल्वे का निकटतम स्टेशन सतना है जहाँ से रीवा की दूरी 50 कि.मी. की है। रीवा सड़क मार्ग से इलाहाबाद 125 कि.मी., वाराणसी 225 कि.मी., जबलपुर 240 कि.मी. दूर है।

**दर्शनीय स्थल –** प्रसिद्ध मैहर का शारदा देवी मंदिर लगभग 70 कि.मी., बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान लगभग 100 कि.मी., मुकुन्दपुर व्हाइट टाईगर सफारी लगभग 18 कि. मी., चचाई फाल लगभग 30 कि.मी., खजुराहो लगभग 160 कि.मी., चित्रकूट 125 कि. मी. तथा एशिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादन केन्द्र गुढ़ में लगभग 20 कि.मी. पर स्थित है।

## राष्ट्रीय सेमीनार

विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण जयन्ती वर्ष पर आयोजित अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संगोष्ठियों के अनुक्रम में उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर यह राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित है, जिसमें देश के शीर्षस्थ शिक्षाविद्, योजनाकारों, प्रशासकों एवं विद्यार्थी उच्च शिक्षा की दिशा और दशा पर विचार विमर्श करेंगे। सेमीनार का आयोजन 29 एवं 30 जून 2018 को पण्डित शम्भनाथ शुक्ल सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

आजादी के बाद से उच्च शिक्षा में अनेक सुधार किये गये हैं। देश में नये पारम्परिक विश्वविद्यालयों के साथ–साथ डीम्ड विश्वविद्यालय एवं निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई है। आइसर, आई.आई.आई.टी. के साथ–साथ अनेक उच्च शिक्षा के संस्थानों को केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। जिनमें एनआईपीईआर तथा आईआईएसटी, कोलकाता शामिल है। अनेक एनआईटी तथा शोध संस्थान भी खोले गये हैं परन्तु शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर संघर्ष जारी है। यद्यपि रूसा के माध्यम से आर्थिक सहयोग से आधारभूत संरचना एवं उपकरणों की कमी को काफी हद तक ठीक किया है। लेकिन इसका आंकलन इतनी जल्दी कर पाना अभी सम्भव नहीं है।

देश के औद्योगिक घरानों/प्रतिष्ठानों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सहभागिता निभाई है लेकिन इसका परिणाम अत्यन्त अल्प दिखाई दे रहा है।